आज

प्रदर्शनी में राधा-कृष्ण की मूर्तियां मनमोहक कला की सराहना

प्रदर्शनी के दौरान छात्रा से जानकारी लेते कुलसचिव व अन्य।

कानपुर, 12 फरवरी। छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स विभाग के कलाकारों ने परिसर में राधा कृष्ण की मूर्तियों की प्रदर्शनी लगायीं। ललित कला की ओर से कृष्णलीला के संग विषय पर आयोजित हुई फाइबर म्यूरल मूर्तिकला शिविर में छात्र-छात्राओं ने अपनी कला से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रदर्शनी का शुभारंभ विवि के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव, डीन एकेडमिक्स प्रो. संजय स्वर्णकार, चीफ प्रॉक्टर डॉ. संदीप सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश कटियार ने किया। प्रदर्शनी में 12 युवा मूर्तिकारों ने कृष्ण और राधा के अलग अलग प्रसंग की मूर्तियां बनाईं। अंकित प्रजापति ने राधाकृष्ण के प्रेम, धनंजय ने कृष्ण और यशोदा के प्रेम को दर्शाया। सौम्या, शिव शंकर राकेश कश्यप, कुलदीप सरोज, प्रतीक्षा राठौर, देवांशी सहित अन्य छात्र छात्राओं ने प्रदर्शन किया।

स्टूडेंट्स की मूर्ति कला ने सभी का दिल जीता

- 12 छात्रो ने कलाकृतियों को बनाने में शिरकत किया
- 13 फरवरी को म्यूरल संस्कृति ग्राम, वृंदावन मे प्रदर्शित होगा
- मूर्तिकला मे निर्मित कलाकृतियों की लगेगी प्रदर्शनी

डी टी एन एन। कला का वरदान बहुत बड़ा होता है जो हर किसी को प्राप्त नही होता और इस कला को आगे बढ़ाना ऊपर वाले के आर्शीवाद का मान रखना होता है। हर किसी को अपनी इस कला को निखारना चाहिए जिसमे की हर बच्चे को किसी ऐसे का साथ मिलता है जो उसके अंदर की कला को पहचान कर उसे निखारे। जिसमे कि गुरु सबसे बड़ी भूमिका निभाते है।

मूर्तिकला मे निर्मित कलाकृतियों कि प्रदर्शनी

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर मे राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ व इंस्टिट्यूट ऑफ पाइन आर्टस के संयुक्त त्तवाधान मे ललित कला के रंग कृष्णलीला के संग विषय पर आधारित फाइबर म्यूरल मूर्तिकला शिविर का तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो कि 10 से 12 फरवरी तक चला। और अब छात्रो द्वारा इस मूर्तिकला मे निर्मित कलाकृतियों कि प्रदर्शनि का उद्घाटन 12 फरवरी को मुख्य अतिथि किया गया था डॉ. अनिल कुमार यादव, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के प्रो. संजय सर्वणकार और डीन एकैडमिक्स एवं डॉ. संदीप सिंह, कुलानुशासक के द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया ।

राधा के प्रेम पूर्ण भाव की कलाकृति बनाई

12 फरवरी को हुए इस कार्यक्रम में 12 मूर्तिकार प्रतिभागियों के भाग लिया था। बीएफए ए द्वितीय वर्ष के अंकित प्रजापति ने राधा कृष्ण के प्रेम-भाव को जीवंत किया है। राधा के मुख का भाव प्रेम पूर्ण है वह कृष्ण प्रेम से अभिभूत हैं। दूसरी तरफ धन्नजय ने कृष्ण व यशोदा के प्रेम को दर्शाया है। ने बताया कि जैसे राधाकृष्ण का प्रेम अमर है वैसे ही उसी प्रकार माता यशोदा का प्रेम अपने पुत्र कृष्ण के प्रति सदैव याद रखा जाता है। इसके अतिरिक्त सौम्या,शिव शंकर, राकेश कश्यप, कुलदीप सरोज, प्रतीक्षा राठौर, देवांशी, अदिती द्विवेदी, प्रताप मौर्या, तुलिका ने भी म्युरल मूर्तिशिल्प शिविर मे प्रतिभाग किया और अपना कार्य प्रदर्शित किया।

छात्रो के चेहरे पर नही दिखा शिकन या थकान का भाव

विभागधीक्षा डॉ. बृजेश स्वरुप कटियार जी ने बताया कि लगातार 2 दिन तक कार्य करने के बाद भी छात्रो के चेहरे पे किसी भी प्रकार की शिकन या थकान का भाव तक नही दिखा। सभी छात्रो ने उत्सुकता के साथ अपना कार्य करते रहे। 13 फरवरी से ये सभी म्यूरल संस्कृति ग्राम, वृंदावन मे प्रदर्शित किये जायेंगे जहां पर यह प्रदर्शनी 2 सप्ताह तक अवलोकनार्थ खुली रहेंगी साथ ही यह भी बताया कि मूर्तिकला विभाग के शिक्षको का भी इस कार्य मे पूर्ण योगदान रहा है जो बराबर छात्रो के साथ रहे और उनका सहयोग के साथ उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यरुप से जीऊत बली, अजय कुमार एवं श्री धीरेंद्र कुमार ने अपना अनुभव छात्रो के कार्य मे लगाया।

कार्यक्रम के इस मौके पर डॉ.अजय यादव, द्रौप्ती यादव व विभाग के सभी शिक्षक प्रहलाद सिंह, लोकेश्वर सिंह, युरभि त्रिपाठी शालिनी श्रीवास्तव राज कुमार सिंह शिवांगी कनौजिया समेत और भी कई शिक्षक एवं विभाग के छात्र आदि मौजूद रहे।

Scanned with CamScanner